भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1860
बुधवार, 11 फरवरी, 2026 को उत्तर देने के लिए

इसरो द्वारा फसल उत्पादन का पूर्वानुमान

1860. श्री पी. पी. चौधरी:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरीः
श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहानः
डॉ. विनोद कुमार बिंदः
श्री अभिमन्यु सेठी:
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गीः
श्री शशांक मणिः
श्री राजीव प्रताप रूडी:
श्री राजकुमार चाहरः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फसल के रकबे, उपज और उत्पादन का पूर्वानुमान लगाने के लिए उपग्रह आधारित पद्धतियों का विकास और प्रचालन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सुदूर संवेदन और भू-स्थानिक विश्लेषण के उपयोग सहित इस प्रयोजनार्थ उपयोग किए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों और प्लेटफार्मों का ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में ऐसी पूर्वानुमान प्रणालियों के अंतर्गत शामिल की गई फसलों और क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(घ) किसी कृषि मौसम के दौरान फसल उत्पादन का अनुमान लगाए जाने की आवृत्ति का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या राजस्थान राज्य, विशेषकर पाली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कृषि भूमि के लिए कोई फसल उत्पादन का अनुमान लगाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) इसरो ने फसल के रकबे, उपज और उत्पादन का पूर्वानुमान लगाने के लिए उपग्रह आधारित पद्धतियां विकसित की हैं तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएवंएफडब्ल्यू) के महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र (एमएनसीएफसी) के माध्यम से इन्हें प्रचालित किया है।

(ख) एमएनसीएफसी संपूर्ण देश के लिए जिला स्तर पर नियमित रूप से 11 फील्ड फसलों के पूर्वानुमान सृजित कर रहा है। फसल क्षेत्र के आकलन के लिए सही जमीनी आंकड़े सहित भारतीय सुदूर संवेदन आकड़े का उपयोग किया जाता है। यह एमओएएवंएफडब्ल्यू के अंतरिक्ष कृषि-मौसमविज्ञान तथा भू-आधारित प्रेक्षणों का उपयोग करके कृषि उत्पादन पूर्वानुमान (एफएएसएएल) के अंतर्गत किया जाता है। उत्पादन के आकलन के लिए सुदूर संवेदन आधारित अर्ध-भौतिक फसल पैदावार मॉडलों के विकास एवं प्रमाणीकरण हेतु फसल कटाई संबंधी परीक्षण किए जाते हैं। प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के लिए वाईईएसटीईसीएच (प्रौद्योगिकी आधारित पैदावार आकलन प्रणाली) प्रयास के अंतर्गत एमओए एवं एफडब्ल्यू द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित फसल पैदावार आकलन को भी क्रियान्वित किया जाता है।

(ग) एफएएसएएल कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल किए गए फसलों में चावल, गेहूं, कपास, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, रबी दालें, गन्ना, पटसन, अरहर शामिल हैं। ये एक राज्य के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के 90% से अधिक क्षेत्र को आवृत करते हैं।

(घ) खरीफ और रबी जैसे प्रत्येक फसल ऋतु में चयनित फसलों के लिए एक बार रकबे का पूर्वानुमान लगाया जाता है।

(ङ) राजस्थान के गेहूं और सरसों के लिए सुदूर संवेदन आधारित जिला-वार रकबे तथा उत्पादन के अनुमान प्रदान किए जाते हैं। इसरो/अंतरिक्ष विभाग ने पाली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कोई फसल उत्पादन का अनुमान नहीं लगाया है।

****